

औचक क्रि.वि. (तद्.) अचानक, सहसा, अकस्मात् उदा. 'औचक ही देखी तहँ राधा, भाल विशाल लाल दिए गोली'- सूर।

औचट स्त्री. (देश.) 1. कठिनाई 2. संकट **क्रि.वि.** 1. अचानक 2. भूल से।

औचिंत वि. (तद्.) जिसे चिंता न हो, निश्चिंत।

औचिती स्त्री. (तद्.) उचित की स्थिति या भाव। औचित्य।

औचित्य पुं. (तद्.) 1. उचित होने का भाव या अवस्था, उपयुक्तता 2. सही मानने का कारण।

औचित्य प्रश्न पुं. (तद्.) राज. व्यवस्था या आदेश का प्रश्न।

औचित्य संप्रदाय पुं. (तद्.) काव्य. 1. 'औचित्य' को काव्य की आत्मा मानने वाला संप्रदाय या मत, औचित्यवाद का प्रवर्तन काव्यशास्त्र के आचार्य हेमैन्द्र ने (ग्यारहवीं शती में) किया 2. औचित्य मतवाद के समर्थक आचार्यों का समुदाय।

औछ स्त्री. (देश.) दारू हल्दी की जड़ या गाँठ।

औछार पुं. (देश.) वृष्टि की झड़ी या बौछार।

औजना अ.क्रि. (देश.) कलश से किसी दूसरे पात्र में जल गिराना।

औजनि स्त्री. (देश.) दो हाथ लंबा पौधा जिसके पत्ते और बालें चिरचिटा की-सी होती हैं।

औजसिक वि. (तद्.) 1. ओजस्वी, ओजवाला 2. शक्तिमान 3. उत्साह वाला, जोशीला पुं. वीर पुरुष।

औजार पुं. (अर.) वे यंत्र जिनसे वैज्ञानिक, इंजीनियर, छात्र, लोहार आदि अपना काम करते हैं, हथियार, उपकरण, आला tool

औजारबंद हड़ताल स्त्री. (अर.) वह हड़ताल जिसमें कर्मचारी अपनी उपस्थिति तो दर्ज कराते हैं, पर काम नहीं करते tool down strike

औज्ज्वल्य पुं. (तद्.) उज्ज्वल होने की स्थिति, चमक, द्युति।

औझक अव्य. (देश.) औचक, अचानक, एकाएक।

औझड़/औझर क्रि.वि. (तद्.) अविराम, निरंतर, लगातार।

औटन स्त्री. (तद्.) द्रव पदार्थ को आग पर गरम करने की क्रिया, उबलना।

औटना स.क्रि. (तद्.) दूध, रस आदि को आँच देकर गाढ़ा करना, खोलना, देर तक उबलना।

औटपाय पुं. (देश.) नटखटपन, शरारत भरा काम, उद्वेगता, विपरीत आचरण।

औटाना स.क्रि. (देश.) आँच देकर गाढ़ा करना, उबालना।

औटी स्त्री. (देश.) 1. ईख का औटा हुआ रस 2. हल्दी, गुड़ आदि मिलाकर गाढ़ा पकाया हुआ दूध 3. गाय को ब्याने पर दी जाने वाली पुष्टई।

औडव पुं. (तद्.) 1. संगी. राग की तीन जातियों में से एक 2. खगो. तारों से संबंधित, नक्षत्रीय।

औड़ा वि. (देश.) प्रवृद्ध, बढ़ा हुआ, उमड़ा हुआ।

औड़ा-बौड़ा वि. (देश.) अव्यवस्थित, उलटा-पुलटा।

औड़ी वि. (देश.) जिसमें तेजी या तीक्ष्णता हो, द्रुत, तीव्र।

औढर वि. (देश.) 1. मनमौजी 2. जिसका कुछ ठौर-ठिकाना न हो 3. चाहे जिधर ढल जाने वाला।

औढरदानी पुं. (देश.) उदारता के साथ मनमाने ढंग से बहुत अधिक देनेवाला।

औणी स्त्री. (देश.) 1. बैलगाड़ी में बैलों को नियंत्रित करने वाला उपकरण, चाबुक 2. हाथी को फँसाने के लिए गड़ढा।

औत पुं. (तद्.) 1. व्रण का भरना 2. विश्राम।

औतार पुं. (तद्.) दे. अवतार।

औतिक वि. (तद्.) ऊतक संबंधी, ऊतकों का।

औतिकी स्त्री. (तद्.) जीव. कोशिकाओं और ऊतकों की सूक्ष्म रचना और कार्य का ज्ञान करने वाला विज्ञान, ऊतक विज्ञान histology

औत्कंठ्य पुं. (तद्.) 1. उत्कंठा 2. चिंता 3. इच्छा।

औत्तरेय पुं. (तद्.) अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा का पुत्र, परीक्षित।

औत्तापिक वि. (तद्.) 1. जो उत्ताप से संबंधित हो 2. उत्ताप से उत्पन्न।